**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

**राज्य सभा**

तारांकित प्रश्न संख्या: 205

उत्तर देने की तारीख: 12.05.2016

**महाराष्ट्र में आदर्श विद्यालय**

***205. श्रीमती रजनी पाटिलः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों, विशेषकर महाराष्ट्र में शैक्षिक दृष्टिकोण से पिछड़े हुए खण्डों में आदर्श विद्यालय आरम्भ करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) क्या पिछले दो वर्षों के दौरान उक्त प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा कोई वित्तीय सहायता प्रदान की गई है; और

(ग) क्या किसी राज्य-सरकार ने अपने राज्य में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए और अधिक धनराशि जारी करने के लिए कोई प्रस्ताव भेजा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)**

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

**"महाराष्ट्र में आदर्श विद्यालयों'' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्रीमती रजनी पाटिल द्वारा दिनांक 12.05.2016 को पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 205 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

(क) : 'मॉडल स्कूल' की केन्द्र प्रायोजित योजना में गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता के बैंचमार्क के रूप में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से देश के शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में 3,500 मॉडल स्कूल स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है। वर्ष 2014-15 तक 2490 मॉडल स्कूल स्थापित करने का अनुमोदन दिया गया था।

वर्ष 2011-12 में महाराष्ट्र में शैक्षिक रूप से पिछड़े 43 ब्लॉक और 43 मॉडल स्कूल (शैक्षिक रूप से पिछड़े प्रत्येक ब्लॉक में 1) संस्वीकृत किए गए। वर्ष 2014-15 तक महाराष्ट्र को 53.25 करोड़ रू. (अनावर्ती व्यय के लिए 49.92 करोड़ रू. और आवर्ती व्यय के लिए 3.33 करोड़ रू.) की राशि जारी की गई।

वर्ष 2015-16 से मॉडल स्कूल योजना को केन्द्रीय सहायता से अलग कर दिया गया है और वस्तुत: यह योजना राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों को अंतरित कर दी गई है।

(ख) : वर्ष 2014-15 के दौरान मॉडल स्कूलों के लिए राज्यों को 978.61 करोड़ रू. (अनावर्ती के लिए 538.92 करोड़ रू. और आवर्ती के लिए 439.69 करोड़ रू.) की राशि जारी की गई। चूंकि, योजना को केन्द्रीय सहायता से अलग कर दिया गया है इसलिए, 2015-16 के दौरान राज्य को कोई राशि जारी नहीं की गई।

(ग) : वर्ष 2015-16 से इस योजना को केन्द्रीय सहायता से अलग कर दिया गया है।

*****